

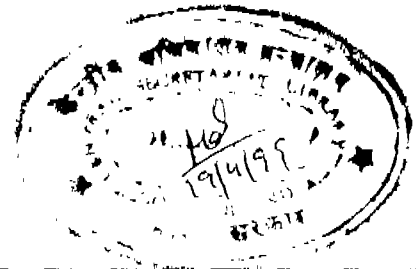


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 19]
No. 19]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 15, 1999/पौष 25, 1920
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 15, 1999/PAUSA 25, 1920

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1999

आय-कर

का. आ. 20 (अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (दूसरा संशोधन) नियम, 1999 है ;
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. आय-कर नियम, 1962 में,
(क) 18 खखक में, उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“(1क) किसी निर्धारित लेखा परीक्षा की रिपोर्ट जो धारा 80 जखख की उपधारा (2) के खंड (i) के अधीन पेश की जानी अपेक्षित है, प्ररूप सं. 10गगकक में होगी”।
(ख) परिशिष्ट 2 में, प्ररूप सं. 10 गगक के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“प्ररूप सं. 10गगकक

[नियम 18खखक(1क) देखिए]

आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जखखक के अधीन संपरीक्षा रिपोर्ट

मैंने/हम ने श्री/मैसर्स (निर्धारित का नाम और पता स्थायी लेखा संख्यांक सहित) के जो पर स्थित हैं के तुलन-पत्र तथा उस दिन को समाप्त होने वाली अवधि के लिए लाभ और हानि लेखा की जो पर स्थित मुख्य कार्यालय तथा पर स्थित शाखाओं में रखी गई लेखा बहियों के अनुसार है, जांच करली है।

मेरी/हमारा यह समाधान हो गया है कि श्री/मैसर्स ने विश्व निविदा के आधार पर, जो विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त है, निर्धारिती को दी गई किसी आवासन परियोजना के निष्पादन से व्युत्पन्न लाभ और अभिलाभ की बाबत पृथक् लेखा रखे हुए हैं।

मैं/हम यह प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि सभी व्यय को, जो उक्त कारबार के प्रयोजनों के लिए उद्भूत हुआ है, उक्त कारबार के लाभ और हानि लेखा में विकलित कर दिया गया है तथा वह व्यय जो निर्धारिती द्वारा उपगत होता है, यदि कोई है, और जो उक्त कारबार में सामान्य रूप से है तथा जो निर्धारिती के अन्य कारबार से उद्भूत होता है, युक्तियुक्त आधार पर आबंटित कर दिया गया है और उसको उक्त कारबार के लाभ और हानि लेखा में समुचित रूप से विकलित कर दिया गया है।

मैंने/हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण अभिप्राप्त कर लिये हैं जो मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के प्रयोजनों के लिए अनिवार्य थे।

मेरी/हमारी राय में, मेरे/हमारे द्वारा निरीक्षण किए गए उपर्युक्त कारबार की बाबत मुख्य कार्यालय/शाखाओं द्वारा समुचित लेखा बहियां, अहां तक बहियों और समुचित विवरणियों की जांच से मुझे/हमें प्रतीत होता है, निम्नलिखित टिप्पणियों के अधीन रहते हुए, मेरे/हमारे द्वारा निरीक्षण न की गई शाखाओं से लेखा परीक्षा के लिए पर्याप्त रूप से प्राप्त हो गई हैं; अर्थात् :—

मेरी/हमारी राय में और मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा मुझे/हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त लेखा निम्नलिखित की बाबत सही और त्रुटि विरहित प्रस्तुत करता है,

- (i) तुलन पत्र की दशा में, पर स्थित उपर्युक्त कारबार के कार्य की स्थिति और
- (ii) लाभ और हानि लेखा की दशा में, को समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के लिए उपर्युक्त कारबार का लाभ / हानि।

स्थान

तारीख

हस्ताक्षर *

लेखाकार

टिप्पण :—

1. यह रिपोर्ट निम्नलिखित द्वारा दी जाएगी :—

- (i) चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थान्तर्गत कोई चार्टर्ड अकाउंटेंट, या
- (ii) कोई व्यक्ति जो किसी राज्य की बाबत, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के उपबंधों के अनुसार, उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत कंपनियों में लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त होने के लिए हकदार है।

2. जहां, इस रिपोर्ट में कथित किसी विषय का उत्तर नकारात्मक या कुछ शर्त के साथ दिया जाता है तो रिपोर्ट में उसके कारणों का कथन होगा।”

[अधिसूचना सं. 10770/फा. सं. 142/76/98-टी पी एल]

सुनीति श्रीवास्तव, अवर सचिव

टिप्पणी :— मूल नियम अधिसूचना सं. का. आ. 969 (अ), तारीख 26-3-1962 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. का. आ. 13 (अ), तारीख 8-1-1999 द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th January, 1999

INCOME-TAX

S. O. 20(E).—In exercise of the powers conferred by Section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rule further to amend the Income-tax Rule, 1962, namely,—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (2nd Amendment) Rules, 1999;
(2) They shall come into force on their publication in the Official Gazette.
2. In the Income-tax Rules, 1962;
 - (a) in rule 18BBA, after sub-rule (1), the following shall be inserted, namely,—
“(1A) The report of the audit of the accounts of an assessee which is required to be furnished under clause (i) of sub-section (2) of Section 80HHBA shall be in Form No. 10 CCAA.”
 - (b) in Appendix II after form No. 10CCA, the following shall be inserted, namely : —

“FORM NO. 10CCAA

[See rule 18BBA (1A)]

Audit report under Section 80 HHBA of the Income-tax Act, 1961

I/We have examined the balance sheet of Shri/M/ S..... (name and address of assessee with Permanent Account Number) as at and the profit and loss account for the period ended on that day which are in agreement with the books of accounts maintained at the head office at and branches at

I am/We are satisfied that Shri/M/s has/have maintained separate accounts in respect of the profits and gains derived from the execution of a housing project awarded to the assessee on the basis of global tender which is aided by the World Bank.

I/We certify that all expenses, wherever incurred, for the purposes of the said business have been debited to the profit and loss account of the said business and that expenses, if any, incurred by the assessee which are common to the said business and any other business of the assessee have been apportioned on a reasonable basis and appropriate debits have been made to the profit and loss account of the said business.

I/We have obtained all the information and explanations which to the best of my/our knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In my/our opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches in respect of the aforesaid business visited by me/us so far as appears from my/our examination of books, and proper returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by me/us subject to the comments given below :

In my/our opinion and to the best of my/our information and according to explanations given to me/us, the said accounts give a true and fair view—

- (i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the aforesaid business as at....., and
- (ii) in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of the aforesaid business for the accounting year ending on

Place.....

Dated.....

Signature

Accountant

Notes:

1. This report is to be given by :—
 - (i) a Chartered Accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949); or
 - (ii) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions in sub-section (2) of Section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.
2. Where any of the matter stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reason therefor."

[Notification No.10770/F.No. 142/76/98-TPL]

SUNITI SRIVASTAVA, Under Secy.

Note : The principal rules were published vide notification No. S.O. 969(E) dated 26-3-1962 and were last amended vide notification No. S.O. 13(E) dated 8th January, 1999.

